मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 23 सितम्बर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	23-09-14	24-09-14	25-09-14	26-09-14	27-09-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	35	34	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	23	23	22	22	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	2	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	69	64	66	62	58
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	38	36	32	30	28
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	13	10	8	9	9
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

खरीफ की दलहनी फसलों – मूंग, मोठ व चंवला की पकी हुई फसल की कटाई करें तथा सुरक्षित स्थान पर रखें।

किसान भाई तारामीरा की बुवाई के लिए उन्नत किस्म आर.टी.एम.–314 का उपयोग करें। बीज को 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम 50 डब्ल्यू.पी. प्रति किलो की दर से उपचारित करें।

जिन किसानों को सरसां की बिजाई करनी है वे खाली पड़े खेत को तैयार कर लें। खेत में एक बार डिस्क पलाउ व दो तीन बार हल चला लें तथा इसी समय गोबर की खाद भी मिला दें।

मूंग एंव मोठ में फली छेदक कीट की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 36 एस.एल एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से फ्ल व फली आते ही छिड़काव करें।

पशुओं के बाड़े में मल–मूत्र, कचरे आदि के कारण पशुओं में संक्रामक रोगों व परजीवियों का प्रकोप बढ़ने का खतरा रहता है। पशुपालक हर सम्भव स्तर तक पशुओं के बाड़े की साफ–सफाई पर ध्यान दें, पानी व कीचड़ जमा न होने दें।